TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

07 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दूसरों को खुद से आगे बढ़ते हुए मत देखो। प्रतिदिन अपने खुद के कीर्तिमान तोड़ो, क्योंकि सफलता आपकी अपने आप से एक लड़ाई है ।

चंद्रशेखर आजाद

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

7 फरवरी

मधु प्रिया

चार्ल्स डिकेंस का जन्म 7 फ़रवरी

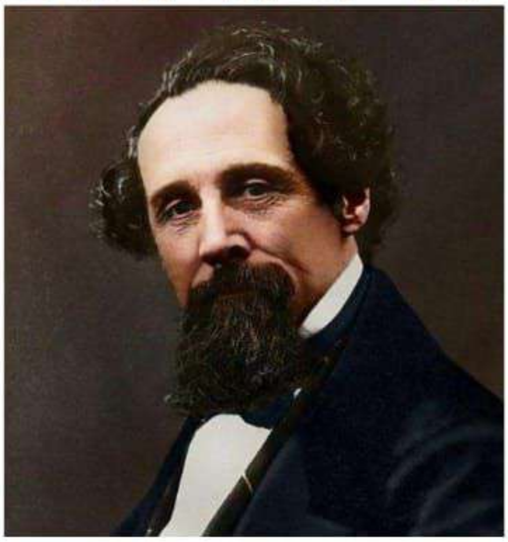

चार्ल्स डिकेंस का जन्म 7 फ़रवरी 1812 में हुआ था।डिकेंस विक्टोरियन युग के सबसे लोकप्रिय अंग्रेजी उपन्यासकार थे, साथ ही एक सशक्त सामाजिक आंदोलन के सदस्य भी थे। चार्ल्स डिकेंस की लोकप्रियता इसी तथ्य से आंकी जा सकती है कि उनके उपन्यास और लघु कथाएँ आज तक 'प्रिंट' से बाहर ही नहीं गये। चार्ल्स के लगभग दर्जन भर प्रमुख उपन्यास, लघु कथाओं की एक बड़ी संख्या, अनेकों नाटक और कई गैर कल्पना किताबें आज भी सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। अपने साहित्य से उन्होंने समकालीन अंग्रेजी समाज का मनोरंजन ही नहीं किया, वरन् उसे दिशा भी दी। डिकेंस के पिता मामूली सरकारी क्लर्क थे, वे सदा आमदनी से अधिक, खर्च करते थे और इस कारण आजीवन आर्थिक संकट झेलते रहे। जब वह छोटे थे, उनके पिता ऋणग्रस्त होने के कारण जेल गए और डिकेंस को जूते को पालिश बनानेवाली एक फैक्टरी में नौकरी करनी पड़ी। इस अनुभव को डिकिंस ने दो उपन्यासों "डेविड कॉपरफील्ड" और "लिटिल डॉरिट" में अंकित किया है। डिकेंस की माँ बहुत समझदार न थीं और उनकी शिक्षा के विरुद्ध थीं। उनका क्रूर चित्र मिसेज़ निकिलबी नाम के पात्र में है। उनके पिता के चित्र मिस्टर मिकौबर और मिस्टर डॉरिट हैं।

डिकेंस की प्रसिद्ध रचनाओं में "बौज़ के स्कैच" "पिकविक पेपर्स" "ऑलिवर ट्विस्ट", "निकोलस निकिलबी", "ओल्ड क्यूरिऑसिटी शॉप", "बार्नबी रज", "मार्टिन चज़िलविट", "डुंबी और उसका पुत्र", "डेविड कॉपरफ़ील्ड", "ग्रेट ऐक्सपेक्टेशंस", "दो नगरों की कथा" आदि दर्जनों विश्वविख्यात उपन्यास हैं।

जयंती विशेष 07 फरवरी

दिग्गज स्वतंत्रता सेनानी और लेखक

मन्मथनाथ गुप्त जी

की जयंती पर सादर नमन

7 FEB. 1908 - 26 OCT. 2000

मन्मथनाथ गुप्त *Manmath Nath Gupta* जन्म: 7 फरवरी, 1908; मृत्यु: 26 अक्टूबर, 2000) भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के एक प्रमुख क्रान्तिकारी तथा सिद्धहस्त लेखक थे। इन्होंने हिन्दी, अंग्रेज़ी तथा बांग्ला में आत्मकथात्मक, ऐतिहासिक एवं गल्प साहित्य की रचना की है। ये मात्र 13 वर्ष की आयु में ही स्वतन्त्रता संग्राम में कूद गये और जेल गये। बाद में वे हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के सक्रिय सदस्य भी बने और 17 वर्ष की आयु में उन्होंने सन् 1925 में हुए काकोरी काण्ड में सक्रिय रूप से भाग लिया।

TOB
खेल कॉर्नर

U19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम को फाइनल में ले जाने वाले कप्तान

2000 - मोहम्मद कैफ़ 🏆

2006 - रविकान्त सुखला

2008 - विराट कोहली 🏆

2012 - उन्मुक्त चंद 🏆

2016 - ईशान किशन

2018 - पृथ्वी शॉ 🏆

2020 - प्रियम गर्ग

2022 - यश ढुल 🏆

2024 - उदय सहारन

2026 - आयुष म्हात्रे*

राकेश कुमार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार
मध्य विद्यालय बलुआ
मनेर (पटना)

माह: February 2026

प्रथम शनिवार

दिनांक **07.02.2026**

भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)

द्वितीय शनिवार

दिनांक **14.02.2026**

कुपोषण से होनेवाली परेशानियां एवं उसके समाधान के सन्दर्भ में जानकारी

तृतीय शनिवार

दिनांक **21.02.2026**

(जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण के सन्दर्भ में जानकारी

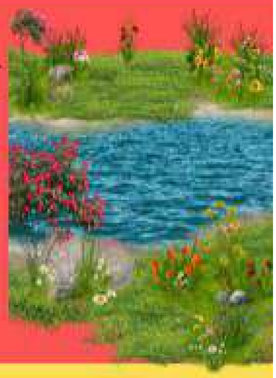

चतुर्थ शनिवार

दिनांक **28.02.2026**

(जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 07.02.2026

सांस्कृतिक चेतना

सांस्कृतिक चेतना का अर्थ है अपने समाज के मूल्यों, परंपराओं, कला, साहित्य और जीवनशैली के प्रति जागरूक होना। यह सामूहिक पहचान, ऐतिहासिक विरासत और नैतिक बोध को समझकर उसे सहेजने व बढ़ावा देने की प्रक्रिया है। यह ज्ञान हमें सम्मानजनक, तर्कसंगत व नैतिक विकल्प चुनने और अपनी संस्कृति को आधुनिकता के साथ जोड़ने में मदद करती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

सुपरस्टार रजनीकांत एक सफाई कर्मचारी पद्मा की ईमानदारी से खुश होकर उन्हें **सोने की चेन** और शॉल देकर सम्मानित किया है। हाल ही में पद्मा ने **ईमानदारी** की मिसाल पेश की थी और सड़क पर मिले सोने के गहनों को **पुलिस स्टेशन** में लौटाया था।

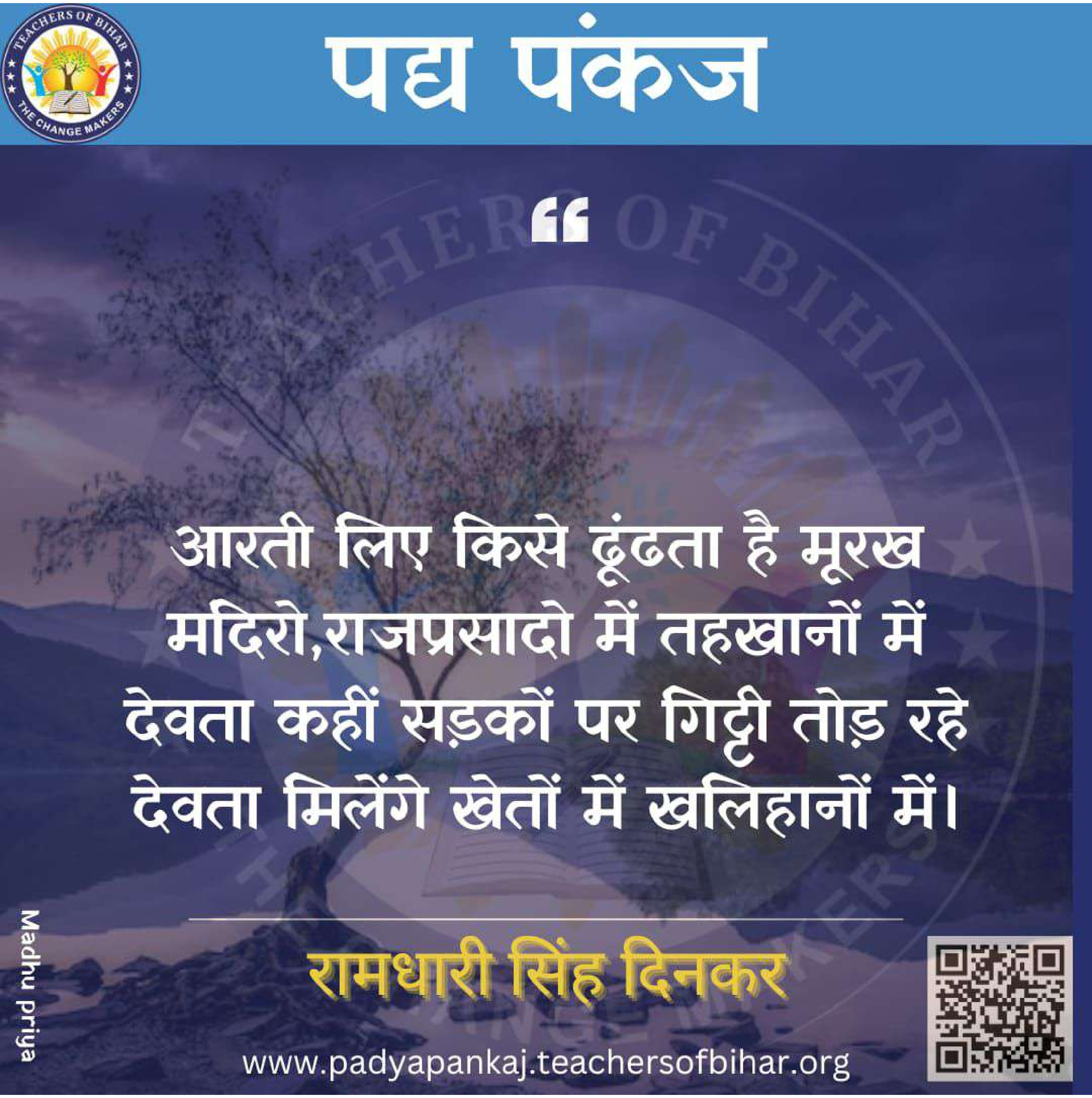

पद्य पंकज
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
आरती लिए किसे ढूंढता है मूरख
मदिरो,राजप्रसादो में तहखानों में
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे
देवता मिलेंगे खेतों में खलिहानों में।
रामधारी सिंह दिनकर
www.padyapankaj.teachersofbihar.org
Madhu priya

माता रमाबाई (रमाबाई) अम्बेडकर

जन्म-7 फरवरी 1898

मृत्यु-27 मई 1935

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

07 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

असली शिक्षा एक इंसान की गरिमा को बढ़ा देती है और उसके स्वाभिमान में वृद्धि करती है।

- डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहब

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org